



पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट शुक्रवार को उदयपुर पहुंचे और कन्हैयालाल के परिजनों से मुलाकात की। पायलट ने उनके परिवारजनों के साथ काफी वक्त बिताया और कन्हैयालाल की पत्नी एवं दोनों पुत्रों से मिले। उन्होंने इस घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुये, कन्हैयालाल के परिवारजनों को इस गहरे आघात को सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की। पायलट ने कहा कि, चाहे कोई भी जांच एजेंसी इस कार्रवाई को पूरा करे लेकिन वे चाहते हैं कि, जल्द से जल्द इस घटना की जांच पूरी हो और दोषियों को सख्त से सख्त सजा दी जाये ताकि आगे चलकर कोई भी इस तरह की घटना को अंजाम देने की हिम्मत नहीं जुटा सके।

दिल्ली व हरियाणा में दवा निर्माता के परिसरों पर छापा

नई दिल्ली, 8 जुलाई (वार्ता)। आयकर विभाग ने एक दवा निर्माता एवं विरतक के हरियाणा और दिल्ली एन.सी.आर. स्थित 25 परिसरों पर छापेमारी की है जिसमें 4.2 करोड़ रुपये नकद तथा चार करोड़ मूल्य के आभूषण जब्त किये गये हैं।

विभाग ने आज यहां जारी बयान में कहा कि गत 29 जून को यह छापेमारी की गयी थी। संबंधित कंपनी नःन सिर्फ दवा बनाती और वितरण करती बल्कि रियल एस्टेट में भी कार्यरत है। जांच दौरान पता चला है कि कंपनी ने अरुणानिस्तान को दवा की आपूर्ति की और बदले में हवाला के माध्यम से नकद में भुगतान स्वीकार किया। इस लेन-देन में शामिल प्रमुख व्यक्ति ने इस बात को स्वीकार किया है। इस माध्यम से करीब 25 करोड़ रुपये के भुगतान स्वीकार किये जाने के रसीदें भी मिली है। कंपनी के दवा निर्माण के लिए 94 करोड़ रुपये के अतिशेष रसायन भी मिला है।

जयपुर, 8 जुलाई (का.सं.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को जयपुर दौर पर रहेंगे। शाह अपने सरकारी कार्यक्रम के अलावा वे प्रदेश भाजपा मुख्यालय भी आएंगे। उनके अलावा पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री एवं राजस्थान प्रभारी अरुण सिंह, और राष्ट्रीय मंत्री अलका सिंह गुर्जर भी जयपुर में रहेंगे। शाह का दौरा उस समय हो रहा है, जब राजस्थान में ईआरसीपी और उदयपुर हत्याकांड जैसे मामले में सियासत चरम पर है। ऐसे में शाह भाजपा मुख्यालय में इन मुद्दों पर सियासी और संघटनात्मक फीडबैक लेने के साथ ही आवश्यक दिशा निर्देश देंगे। प्रदेश भाजपा मुख्यालय में अमित शाह का कार्यक्रम अनौपचारिक है। शाह केवल भाजपा मुख्यालय आएंगे। इसके लिए कोई प्रस्तावित बैठक या कार्यक्रम नहीं रखा गया है, लेकिन यहां आएंगे तो संगठनात्मक और सियासी चर्चा होना

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज जयपुर दौरे पर

■ भाजपा मुख्यालय को दुल्हन की तरह सजाया गया।

■ शाह के अलावा पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री और राजस्थान प्रभारी अरुण सिंह और राष्ट्रीय मंत्री अलका सिंह गुर्जर भी जयपुर आए हैं।

तय है। यही कारण है कि भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह भी शनिवार सुबह ही जयपुर आएंगे। इसके अलावा पार्टी प्रदेश अध्यक्ष और पदाधिकारियों के साथ ही संगठन महामंत्री चंद्रशेखर और प्रदेश कमिटी से जुड़े नेताओं से भी चर्चा होने की संभावना है। भाजपा को गुप में प्रदेशाध्यक्ष पुनिया, राठौड़ और कटारिया के साथ ही वसुंधरा राजे और प्रदेश आने वाले केंद्रीय मंत्रियों के अलावा कुछ सांसद शामिल हैं। इनमें से जो नेता जयपुर में रहेंगे वह शाह की मौजूदगी में होने वाली चर्चा में शामिल होंगे।

को भाजप सियासी मुद्दा बनाती रही है और अब जबकि उदयपुर में जघन्य हत्याकांड सामने आया है जिसकी जांच खुद एनआईए कर रही है तो इन पर शाह ने केवल सरकार बल्कि अपनी ही पार्टी का संगठन स्तर पर भी फीडबैक लेना। हालांकि ईआरसीपी मामले में भाजपा लगातार बैकफुट पर है और कांग्रेस हमलावर हो रही है। ऐसे में पार्टी की लाइन इस मुद्दे पर क्या रहने वाली है उसको लेकर भी संगठनात्मक चर्चा हो सकती है।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह के जयपुर आगमन के दौरान एयरपोर्ट पर भाजपा कार्यकर्ता उनका भव्य स्वागत करेंगे।

‘महाराष्ट्र में पुनः नये सिरे...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) देश “सत्यमेव जयते” पर टिका हुआ है, “असत्यमेव जयते” पर नहीं। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय सोमवार को जो फैसला देगा, वह केवल शिवसेना के भविष्य का नहीं, भारतीय लोकतंत्र के भविष्य का भी होगा।

सर्वोच्च न्यायालय उस याचिका पर निर्णय देने वाला है, जिसमें शिवसेना के 16 विद्रोही विधायकों को “डिसक्वालिफिकेशन” की माँग की है। यह अदालत जो एकनाथ शिन्दे को राज्य में सरकार बनाने के लिये आमन्त्रित किये जाने के महाराष्ट्र के न्यायापाल भगत सिंह कोशियारी के निर्णय को शिवसेना द्वारा चुनौती दी जाने वाली याचिका की भी सुनवाई करेगी।

उन्होंने कहा, “हम लोकतन्त्र तथा संविधान को लेकर चिन्तित हैं। न्यायपालिका में मेरी आस्था है। न्यायपालिका क्या निर्णय लेगी- इस बात पर हर व्यक्ति को नजर है। लोग यह देखने के लिये नज़र जमाये हुये हैं कि हमारा लोकतन्त्र कितना मजबूत है। मैं फैसले के बारे में चिन्तित नहीं हूँ। कानून अपना काम करेगा।”

उन्होंने कहा, “शिवसेना को कोई नहीं छीन सकता। एक विधायक दल है तथा एक पार्टी है जो जमीनी स्तर पर काम करते हैं। क्या कोई पार्टी केवल इसलिये खत्म हो सकती है कि

‘खादी व...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) बढ़कर रिकॉर्ड 94 बिलियन डॉलर होना है। उन्होंने अब ऐसे वक्त में चीन से आयातों का 45 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 94 बिलियन डॉलर होना है। उन्होंने अब ऐसे वक्त में चीन से भारी मात्रा में भारतीय झण्डों के आयात के दरवाजे खोल दिए हैं, जबकि चीन की सेनाओं ने लड़ाइयों के एक हजार वर्ग कि.मी. क्षेत्र पर कब्जा किया हुआ है। कर्नाटक खादी ग्रामोद्योग संयुक्त संघ ही ऐसी एकमात्र यूनिट है जिसके पास खादी के राष्ट्रीय ध्वज उत्पादित करने के लायसंस है, उन्होंने कहा कि कांग्रेस ध्वज सत्याग्रह में स्वयं को राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर पूरी तरह से जोड़ती है और सभी राष्ट्रवादी शक्तियों से इसमें शामिल होने का अनुरोध करती हैं।

बीजिंग ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) सुरक्षा पर संदेह के चलते बुजुर्गों के वैक्सिनेशन की गति बेहद धीमी है। चीन ने अभी विदेशों में बनी वैक्सिन को मान्यता नहीं दी है। मई के आरंभ में 60 वर्ष से अधिक आयु के 82 प्रतिशत लोगों को वैक्सिन के दो शॉट्स लग चुके हैं। जबकि आम आबादी में यह संख्या 89 प्रतिशत है। मार्च तक 80 साल से अधिक उम्र वाले मात्र 51 प्रतिशत लोगों को वैक्सिन के दो शॉट्स लग चुके थे।

चंडीगढ़ में स्कूल में पेड़ गिरा, एक बच्ची की मौत

चंडीगढ़, 8 जुलाई। चंडीगढ़ के एक स्कूल में पेड़ गिरने से उसकी चपेट में कई स्कूली बच्चे आ गये। इस घटना में एक बच्ची की मौत हो गई व 13 अन्य बच्चे घायल हो गये। जानकारी के अनुसार चंडीगढ़ के सैक्टर-9 स्थित एक स्कूल में सुबह ही एक विशालकाय पेड़ टूटकर गिर गया। पेड़ गिरने से कई बच्चे इसकी चपेट में आए हैं। बताया जा रहा है कि एक बच्ची की मौत और 13 स्कूली बच्चे घायल हुए हैं। बच्चे लंच टाइम में पेड़ के पास खेल रहे थे, वहीं कुछ बच्चे खाना खा रहे थे। तभी उसी समय यह पेड़ बच्चों पर गिरा। घायल बच्चों को जी.एम.एस.एच अस्पताल में भर्ती कराया है। वहीं हादसे के बाद गेट पर रिपेट्स के हंगामा करने लगे।

12वीं कक्षा तक के बच्चे पेड़ के नीचे खेल रहे थे।

बहुत से कॉर्पोरेटर भी अब एकनाथ शिन्दे के गुट की ओर जा रहे हैं तथा महाराष्ट्र स्थानियों निकायों जो शिवसेना के बहुत मजबूत प्रभाव क्षेत्र थे, पर भी उद्धव ठाकरे का नियन्त्रण कमजोर होता जा रहा है।

शिन्दे ने 30 जून को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी तथा भाजपा के देवेन्द्र फडनविस उप-मुख्यमंत्री बने थे। चार दिन बाद, शिन्दे ने सदन का विश्वास हासिल करते हुये, 288 सदस्यीय विधानसभा में 164 वोट हासिल किये थे, जो 144 के स्पष्ट बहुमत के आंकड़े से ज्यादा थे। उनके खिलाफ केवल 99 विधायकों के ही वोट रहे थे। उद्धव ठाकरे की पार्टी के अधिकांश विधायक उन्हें छोड़कर, विद्रोही गुट के रूप में अस्तित्व में आये गुट में चले गये थे, लेकिन अब यह गुट, मूल गुप से बड़ा है तथा असली शिवसेना होने का दावा कर रहा है।

बहुत से कॉर्पोरेटर भी अब एकनाथ शिन्दे के गुट की ओर जा रहे हैं तथा महाराष्ट्र स्थानियों निकायों जो शिवसेना के बहुत मजबूत प्रभाव क्षेत्र थे, पर भी उद्धव ठाकरे का नियन्त्रण कमजोर होता जा रहा है।

चंडीगढ़ में स्कूल में पेड़ गिरा, एक बच्ची की मौत

चंडीगढ़, 8 जुलाई। चंडीगढ़ के एक स्कूल में पेड़ गिरने से उसकी चपेट में कई स्कूली बच्चे आ गये। इस घटना में एक बच्ची की मौत हो गई व 13 अन्य बच्चे घायल हो गये। जानकारी के अनुसार चंडीगढ़ के सैक्टर-9 स्थित एक स्कूल में सुबह ही एक विशालकाय पेड़ टूटकर गिर गया। पेड़ गिरने से कई बच्चे इसकी चपेट में आए हैं। बताया जा रहा है कि एक बच्ची की मौत और 13 स्कूली बच्चे घायल हुए हैं। बच्चे लंच टाइम में पेड़ के पास खेल रहे थे, वहीं कुछ बच्चे खाना खा रहे थे। तभी उसी समय यह पेड़ बच्चों पर गिरा। घायल बच्चों को जी.एम.एस.एच अस्पताल में भर्ती कराया है। वहीं हादसे के बाद गेट पर रिपेट्स के हंगामा करने लगे।

12वीं कक्षा तक के बच्चे पेड़ के नीचे खेल रहे थे।

बहुत से कॉर्पोरेटर भी अब एकनाथ शिन्दे के गुट की ओर जा रहे हैं तथा महाराष्ट्र स्थानियों निकायों जो शिवसेना के बहुत मजबूत प्रभाव क्षेत्र थे, पर भी उद्धव ठाकरे का नियन्त्रण कमजोर होता जा रहा है।

शिन्दे ने 30 जून को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी तथा भाजपा के देवेन्द्र फडनविस उप-मुख्यमंत्री बने थे। चार दिन बाद, शिन्दे ने सदन का विश्वास हासिल करते हुये, 288 सदस्यीय विधानसभा में 164 वोट हासिल किये थे, जो 144 के स्पष्ट बहुमत के आंकड़े से ज्यादा थे। उनके खिलाफ केवल 99 विधायकों के ही वोट रहे थे। उद्धव ठाकरे की पार्टी के अधिकांश विधायक उन्हें छोड़कर, विद्रोही गुट के रूप में अस्तित्व में आये गुट में चले गये थे, लेकिन अब यह गुट, मूल गुप से बड़ा है तथा असली शिवसेना होने का दावा कर रहा है।

बहुत से कॉर्पोरेटर भी अब एकनाथ शिन्दे के गुट की ओर जा रहे हैं तथा महाराष्ट्र स्थानियों निकायों जो शिवसेना के बहुत मजबूत प्रभाव क्षेत्र थे, पर भी उद्धव ठाकरे का नियन्त्रण कमजोर होता जा रहा है।

सपा का कोई भी गठबंधन चुनावों के बाद ज्यादा दिन नहीं टिकता

विधानसभा चुनाव में सहयोगी बने ओ.पी. राजभर ने कहा कि, हमारा गठबंधन अंतिम सांसें गिन रहा है, बस मैं अखिलेश यादव की तरफ से “तलाक” की घोषणा होने का इंतजार कर रहा हूँ

लखनऊ, 8 जुलाई। उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक पुरानी कहावत है कि, समाजवादी पार्टी की उसके गठबंधन दलों से दोस्ती ज्यादा दिनों तक नहीं चलती। चुनावों से पहले गठबंधन होता है और चुनाव हो जाने के बाद गठबंधन टूट जाता है।

इस बीच खबर है कि, गत विधानसभा चुनावों के दौरान हुआ सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के बीच गठबंधन टूटने की तैयारी चल रही है। सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि

उन्हें अखिलेश यादव की तरफ से ‘तलाक’ मिलने का इंतजार है और वह सपा से गठबंधन तोड़ने को लेकर अपने स्तर से पहल नहीं करेंगे। सुभासपा और सपा के बीच तलखी बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति पद के लिये विपक्ष के संयुक्त उम्मीदवार यशवंत सिन्हा की प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी नजर आई थी क्योंकि सपा ने इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में गठबंधन के सहयोगी रोलोद के प्रमुख जयंत सिंह को तो बुलाया था लेकिन सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर नहीं आए थे। राजभर ने कहा कि, वे सपा से

गठबंधन तोड़ने को लेकर अपने स्तर से पहल नहीं करेंगे। उन्होंने सपा से तलखी को लेकर मीडिया में आई खबरों पर बोलते हुए कहा, “उन्हें सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की तरफ से ‘तलाक’ मिलने का इंतजार है।” उन्होंने कहा, “वह अब भी सपा के साथ हैं। सपा के राष्ट्रपति अखिलेश यादव की तरफ से उन्हें अपने साथ नहीं रखना चाहेंगे तो वह सपा के साथ जबर्दस्ती नहीं रहेंगे।”

उन्होंने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा विपक्षी दलों के राष्ट्रपति पद के संयुक्त उम्मीदवार यशवंत सिन्हा के समर्थन में आयोजित बैठक में सम्मिलित नहीं होने को लेकर पूछे जाने पर कहा कि अखिलेश यादव भूल गए होंगे, इसलिए उन्हें बैठक में नहीं बुलाया। राजभर ने एक सवाल के जवाब में कहा कि वह राष्ट्रपति पद के चुनाव को लेकर समर्थन के मसले पर अपने फैसले की घोषणा 12 जुलाई को करेंगे। उन्होंने कहा कि वह शुक्रवार को मऊ और शनिवार को बलिया एवं गाजीपुर में पार्टी के कार्यकर्ताओं से बात करेंगे तथा इसके बाद अपना फैसला सार्वजनिक करेंगे।

पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट मृतक कन्हैया के परिजनों से मिले

उदयपुर, 8 जुलाई (का.सं.)। उदयपुर में कन्हैया लाल हत्याकांड के बाद मृतक के घर पर नेताओं के पहुंचने का दौर अभी जारी है। पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के दिग्गज नेता सचिन पायलट शुक्रवार उदयपुर पहुंचे और उन्होंने कन्हैयालाल के परिजनों को बांझ बंधाया।

इस मौके पर सचिन पायलट ने कहा कि हत्यारों को नहीं बख्शा जाएगा तथा उन्हें सजा दिलाई जाएगी। इसके बाद उन्होंने मीडिया से कहा कि “जिस तरह से दहशत पैदा करने की कोशिश की गई यह हम सब के लिए चेतावनी है। दोषियों को पकड़ा तो गया है लेकिन हम सभी चाहते हैं कि चाहे वह एटीएस हो, एसओजी हो या एनआईए हो जांच तीव्र गति से करे ताकि उन्हें जल्द से जल्द सजा हो। चाहे इनके लिए कोर्ट में नियमित सुनवाई हो या स्पेशल कोर्ट के माध्यम हो, लेकिन इस जघन्य हत्याकांड में शामिल लोगों और उनसे जुड़े सभी तारों को तह में जाना होगा। उन्होंने कहा कि इस घटना के अभियुक्तों को फांसी से कम सजा नहीं होनी चाहिए। एनआईए को भी बहुत जल्द चार्जशीट फाइल कर सभी सबूत जुटाने चाहिए जिससे कि दोषियों को जल्द से जल्द फांसी हो और भविष्य में

कोई भी व्यक्ति इस तरह का काण्ड या हरकत ना कर पाए।” सचिन पायलट ने कहा कि प्रदेश में और विशेष कर मेवाड़ और उदयपुर में ऐसी घटना की कल्पना भी नहीं की जा सकती थी लेकिन यह घटना हुई। उन्होंने यह भी कहा कि हम सभी चाहते हैं कि पीड़ित परिवार को उचित न्याय मिले और अपराधियों को सख्त से सख्त सजा हो।

उन्होंने कहा कि आरोपियों को हिरासत में ले लिया गया है और मुझे विश्वास है अति शीघ्र न्याय मिलेगा। इस मौके पर पायलट ने प्रदेश ही नहीं बल्कि पूरे देश के लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि अगर किसी के पास सोशल मीडिया के माध्यम से सूचनाएं आती है तो वह उसे

पार्टी के स्तर पर जयपुर के सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को उनके कार्यक्रम की सूचना दे दी गई है। ये बता दिया गया है कि कार्यकर्ता उनके स्वागत के लिए जयपुर एयरपोर्ट पहुंचें। भाजपा के तमाम संगठन और मोर्चे शाह के स्वागत की तैयारी जुट गए हैं। भाजपा मुख्यालय को भी शाह के दौरे से पहले दुल्हन की तरह सजाया गया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पुनिया का कहना है कि अमित शाह का जयपुर में उत्तर क्षेत्रीय रीजन की बैठक का सरकारी कार्यक्रम है। ऐसे में वह इसके बाद भाजपा मुख्यालय में केवल कुछ देर के लिए ही आएंगे और फिर वापस दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे। पुनिया ने बताया कि शाह का पार्टी मुख्यालय पर कोई औपचारिक कार्यक्रम नहीं है, अतः जो प्रमुख नेता और पदाधिकारी मौजूद रहेंगे वे उनसे ही मुलाकात करेंगे और फिर लौट जाएंगे।

■ सचिन पायलट ने कहा, कन्हैयालाल हत्याकांड के मामले की जांच तीव्र गति से हो और दोषियों को जल्द से जल्द सजा मिले।

■ सचिन पायलट के साथ मसूदा विधायक राकेश पारीक, विप्र बोर्ड अध्यक्ष महेश शर्मा, उदयपुर ग्रामीण से कांग्रेस प्रत्याशी विवेक कटार। देहात जिला कांग्रेस निवर्तमान अध्यक्ष लाल सिंह झाला, मावली के गोवर्धन सिंह चौहान (कोटडी) भी मौजूद थे।

फैलाने से पहले इस बात का ध्यान रखें कि उसके किस तरह के दुष्परिणाम

दिल्ली में, राजस्थान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हरवाना शामिल होगा जो गहलोट की आड़े वक्त की बैस्ट फ्रेंड वसुन्धरा राजे के प्रति अपनी निष्ठा रखते हैं।

मुख्यमंत्री के अंदरूनी हलकों के सूत्र तो यहां तक कह रहे हैं कि यदि कांग्रेस सरकार का पतन हो जाता है तो उन्हें खुशी होगी क्योंकि इसका तात्पर्य होगा कि सचिन पायलट मुख्यमंत्री नहीं बनाए जा सकेंगे। वे इस युवा नेता के प्रति एक तर्कहीन नापसंदगी रखते हैं।

राजस्थान मीडिया के कुछ हिस्सों में यह नवीतम खबर चलाई जा रही है कि पायलट को दिल्ली में एक अति महत्वपूर्ण पद दिया जाएगा। गहलोट को शायद अब तक यह एहसास हो चुका होगा कि पायलट ऐसे कई ऑप्स टुकड़ा चुके हैं और अन्य सभी पदों के अलावा उनका मुख्यमंत्री पद पर ध्यान केन्द्रित है। यह एक ऐसी सोच है, जिसकी हवा निकालने के लिए गहलोट पहले से ही रात-दिन एक किए हुए हैं।

अमरनाथ गुफा के पास बादल फटा, 15 श्रद्धालुओं की मौत

इस दुर्घटना में गुफा मार्ग पर करीब 40 से 45 लोगों के फंसे होने की आशंका जताई जा रही है

श्रीनगर, 8 जुलाई। पिछले दिनों ही शुरू हुई अमरनाथ यात्रा के बीच एक बेहद दुःख खबर है, शुक्रवार को अमरनाथ गुफा के पास बादल फट गया। अचानक बादल फटने से इलाके में बाद की स्थिति पैदा हो गई। इस दुर्घटना में 15 श्रद्धालुओं की मौत हो गई है।

राहत एवं बचाव दलों ने 3 महिला और 2 पुरुष श्रद्धालुओं के शव बरामद किए हैं। मौके पर राहत और बचाव कार्य जारी है। हर रोज करीब 15 हजार श्रद्धालु बाबा के दर्शन के लिए पवित्र गुफा पहुंच रहे हैं। एक हफ्ते पहले ही 30 जून को अमरनाथ यात्रा शुरू हुई है और एक हफ्ते में ही कई बार खराब मौसम की वजह से यात्रा को रोकना पड़ा है।

■ बादल फटने के बाद अचानक जल प्रवाह बढ़ने के कारण सिंथन नाला उफान पर आ गया। जिसके कारण वहां भयानक तबाही हुई है।

गौरतलब है कि, जब यह घटना हुई तब मौके पर करीब 12 हजार यात्री मौजूद थे। अमरनाथ गुफा से करीब 2 किलोमीटर दूर यह घटना हुई है। जानकारी के मुताबिक अमरनाथ की गुफा के नीचे शाम साढ़े 5 बजे के करीब बादल फटा। मौके पर एन.डी.आर.एफ. और एस.डी.आर.एफ. और तमाम

सामने आ सकते हैं। उन्होंने कहा कि “इस दुःख घड़ी में मेरी संवेदनाएं कन्हैयालाल के परिवार के साथ हैं। उन्हें सरकार और समाज द्वारा हर संभव सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी।” सचिन पायलट के साथ मसूदा विधायक राकेश पारीक, विप्र बोर्ड अध्यक्ष महेश शर्मा, उदयपुर ग्रामीण से कांग्रेस प्रत्याशी विवेक कटार, देहात जिला कांग्रेस निवर्तमान अध्यक्ष लाल सिंह झाला और मावली के गोवर्धन सिंह चौहान (कोटडी) मौजूद रहे।

दिल्ली में, राजस्थान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुख्यमंत्री के अंदरूनी हलकों के सूत्र तो यहां तक कह रहे हैं कि यदि कांग्रेस सरकार का पतन हो जाता है तो उन्हें खुशी होगी क्योंकि इसका तात्पर्य होगा कि सचिन पायलट मुख्यमंत्री नहीं बनाए जा सकेंगे। वे इस युवा नेता के प्रति एक तर्कहीन नापसंदगी रखते हैं।

राजस्थान मीडिया के कुछ हिस्सों में यह नवीतम खबर चलाई जा रही है कि पायलट को दिल्ली में एक अति महत्वपूर्ण पद दिया जाएगा। गहलोट को शायद अब तक यह एहसास हो चुका होगा कि पायलट ऐसे कई ऑप्स टुकड़ा चुके हैं और अन्य सभी पदों के अलावा उनका मुख्यमंत्री पद पर ध्यान केन्द्रित है। यह एक ऐसी सोच है, जिसकी हवा निकालने के लिए गहलोट पहले से ही रात-दिन एक किए हुए हैं।

अमरनाथ गुफा के पास बादल फटा, 15 श्रद्धालुओं की मौत

इस दुर्घटना में गुफा मार्ग पर करीब 40 से 45 लोगों के फंसे होने की आशंका जताई जा रही है

श्रीनगर, 8 जुलाई। पिछले दिनों ही शुरू हुई अमरनाथ यात्रा के बीच एक बेहद दुःख खबर है, शुक्रवार को अमरनाथ गुफा के पास बादल फट गया। अचानक बादल फटने से इलाके में बाद की स्थिति पैदा हो गई। इस दुर्घटना में 15 श्रद्धालुओं की मौत हो गई है।

राहत एवं बचाव दलों ने 3 महिला और 2 पुरुष श्रद्धालुओं के शव बरामद किए हैं। मौके पर राहत और बचाव कार्य जारी है। हर रोज करीब 15 हजार श्रद्धालु बाबा के दर्शन के लिए पवित्र गुफा पहुंच रहे हैं। एक हफ्ते पहले ही 30 जून को अमरनाथ यात्रा शुरू हुई है और एक हफ्ते में ही कई बार खराब मौसम की वजह से यात्रा को रोकना पड़ा है।

संजय राउत के खिलाफ वारंट जारी

मुम्बई, 8 जुलाई (वार्ता)। महाराष्ट्र में मुम्बई की एक स्थानीय अदालत ने शुक्रवार को भाजपा नेता किरिट सोमैया की पत्नी प्रोफेसर मेधा सोमैया द्वारा दायर मानहानि मामले में शिवसेना सांसद संजय राउत के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया है।

‘भाजपा का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) जयपुर में, आदिल सिंह बोपाई नागपुर में, दीपेन्द्र सिंह हुडा अहमदाबाद में, परलम राजू चैत्रा में, पवन खेड़ा रायपुर में, राजीव गोड़ा कोलकाता में, संजय निरूपम पटना में, शोभा ओझा लखनऊ में और सरदार सुखपाल सिंह हीरा जम्मू में प्रैस कॉन्फ्रेंस करेंगे। शिमला, देहरादून, चंडीगढ़, बैंगलोर, हैदराबाद, भुवनेश्वर, गुवाहाटी, रांची, विशाखापट्टनम और पुद्दुचेरी में भी प्रैस कॉन्फ्रेंस होंगी।

ज्यादा क्षमताएं हासिल करने के सुरक्षा सिद्धान्त मजबूत हुये हैं। कारण जो भी रहे हों, यूक्रेन में रूस के बर्बर युद्ध ने इस धारणा को और ज्यादा घुट्टा किया है, क्योंकि रूस ने अन्तर्राष्ट्रीय संबंध के सभी स्थापित तौर तरीकों के प्रति घोर असम्मान प्रदर्शित किया है।

अन्तर्राष्ट्रीय स्थिति में घोर अनिश्चताओं के सदरभ में, भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया तथा अमेरिका से मिलकर बने क्वॉड की एशिया के मामलों में प्रतिवादी प्रासंगिकता है। क्वॉड को आबे के “आर्क ऑफ डेमोक्रेसीज” का सीधा परिणाम माना जा सकता है। जब यह विचार शिंजो आबे के दिमाग में पहली बार आया होगा, उस समय संयंत्र विस्तार की बात जरूरी है। इस बदलाव के पीछे आबे की बहुत बड़ी भूमिका रही थी तथा द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद जो भी वर्जनाएं लागू की गई थीं, उन्हें आबे ने तोड़ दिया था, हटा दिया था।

वस्तुतः इन दिनों अडिथल रूख वाले चीन के भय बर्बर व्यवहार की चलते, चीनी आक्रामकता के डर से, 2006 में कई कारणों से, भारत के लिये शिंजो से बेहतर मित्र कोई नहीं था। उन्होंने 2006 में ही दक्षिण एशिया को लेकर अपनी कुछ पहल शुरू की थी।